Title: Need to take suitable measures to check increasing level of pollution in rivers in the country.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद) : देश की नदियों के साथ हमारे देश की संस्कृति जुड़ी है । नदियों में घोर प्रदूषण होने के बावजूद भी हम उसके जल को पवित्र मानते हैं । लगभग 20 वर्ष पूर्व नदियों की सफाई की मुहिम आरम्भ की गई थी । काफी धनराशि खर्च करने के बावजूद कुल मिला कर हम वापस उसी जगह पहुंच गए हैं जहां से हमने आरंभ किया था ।

गंगा एक्शन प्लान के अंतर्गत कुल मिला कर अनुमानित 10 हजार करोड़ रुपए खर्च किया गया । यमुना एक्शन प्लान के अंतर्गत 872 करोड़ रुपए खर्च किए गए, किंतु प्रदूषण अभी भी यथावत है ।

मेरा मानना है कि हमारी योजनाओं में कहीं न कहीं कुछ कमी है । जनसंख्या के दबाव के कारण शहरों की बनावट, भवन निर्माण तथा उसके फलस्वरूप घरों तथा फैक्ट्रियों से निकलने वाले दूषित पानी की मात्रा में परिवर्तन होते रहते हैं । इन परिवर्तनों के चलते यह आवश्यक है कि नदियों संबंधी हमारी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार हो ताकि जिन आंकड़ों को आधार मान कर योजनाएं बनाई गई थीं । उसी के अनुसार पूरी हों या फिर जिन परिवर्तनों का मैंने जिक्र किया है, उन परिवर्तनों के स्वरूप को भी कार्यक्रमों में समावेश किया जाए ।

अपने साधनों से केवल फैक्ट्रियों तथा घरों के गंदे पानी को ही नदियों में जाने से रोक पाएं तो मैं समझता हूं कि इन नदियों को काफी सीमा तक साफ रखा जा सकता है । पर्यावरण मंत्री कृपया इस ओर ध्यान दें ।